हिन्दी

(दूर्वा) (पाठ 4) (सोहनलाल द्विवेदी- ओस)
(कक्षा 8)

प्रश्न 1:

कविता से

(क)

कविता में रतन किसे कहा गया है और वे कहाँ-कहाँ बिखरे हुए हैं?

(क)

कविता में रतन ओस की बूंदों को कहा गया है, जो कि घास फूलों और पत्तों पर बिखरी हुई है।

(ख)

ओस कणों को देखकर कवि का मन क्या करना चाहता है?

(ख)

कवि का मन करता है कि वह इन ओस की बूंदों को अंजलि में भरकर अपने घर ले आए और उन्हें निहारते हुए उन पर कविता लिखे।

प्रश्न 2:

कविता से आगे

(क) पता करो कि सुबह के समय खुले स्थानों पर ओस की बूँदें कैसे बन जाती हैं? इसे अपने शिक्षक को बताओ।

(ख) क्या ओस, कोहरा और वर्षा में कोई संबंध है? इसके बनने और होने के कारणों का पता लगाओ और उसे अपने ढंग से लिखकर शिक्षक को दिखाओ।

(ग) सूरज निकलने के कुछ समय बाद ओस कहाँ चली जाती है? इसका उत्तर तुम अपने मित्रें, बड़ों, पुस्तकों और इंटरनेट की सहायता से प्राप्त करो और शिक्षक को बताओ।

उत्तर 2:

छात्र स्वयं भी इसका अवलोकन कर सकते हैं तथा अध्यापक एवं अपने बड़ों से पूछकर या फिर इन्टरनेट की मदद से ऊपर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिख सकते हैं।

प्रश्न 3:

तुम्हारी कल्पना

"इनकी शोभा निरख-निरख कर,
इन पर कविता एक बनाऊँ।"

कवि ओस की सुंदरता पर एक कविता बनाना चाहता है। यदि तुम कवि के स्थान पर होते, तो कौन-सी कविता बनाते? अपने मनपसंद विषय पर कोई कविता बनाओ।

उत्तर 3:

छात्र अपनी रचनात्मकता का प्रयोग करते हुए स्वरचित कविता लिख सकते हैं।

प्रश्न 4:

मौसम की बात

(क) तुम्हारे विचार से यह किस मौसम की कविता हो सकती है?

(ख) तुम्हारे प्रदेश में कौन-कौन से मौसम आते हैं? उसकी सूची बनाओ।

(ग) तुम्हें कौन सा मौसम सबसे अधिक पसंद है और क्यों?

उत्तर 4:

(क) मेरे विचार से यह कविता शरद ऋतु की है।

(ख) हमारे प्रदेश में साल में चार मौसम आते हैं: वसंत ऋतु, ग्रीष्म ऋतु, वर्षा ऋतु, शरद ऋतु।

(ग) मुझे सबसे अधिक वसंत ऋतु पसंद है।

प्रश्न 5:

अंजलि में

"जी होता इन ओस कणों को
अंजलि में भर घर ले आऊँ"

कवि ओस को अपनी अंजलि में भरना चाहता है। तुम नीचे दी गई चीजों में से किन चीजों को अपनी अंजलि में भर सकते हो? सही (✓) का चिह्न लगाओ-

रेत, ओस, धुआँ, हवा, पानी, तेल, लड्डू, गेंद

उत्तर 5:

निम्न चीजों को अपनी अंजलि में भर सकते हैं:

रेत (✓), ओस, धुआँ, हवा, पानी(✓), तेल(✓), लड्डू(✓), गेंद(✓)।

प्रश्न 6:

उलट-फेर

"हरी घास पर बिखेर दी हैं
ये किसने मोती की लड़ियाँ?"

ऊपर की पंक्तियों को उलट-फेर कर इस तरह भी लिखा जा सकता है-

"हरी घास पर ये मोती की लड़ियाँ किसने बिखेर दी हैं?"

इसी तरह नीचे लिखी पंक्तियों में उलट-फेर कर तुम भी उसे अपने ढंग से लिखो।

(क)

"कौन रात में गूँथ गया है
ये उज्ज्वल हीरों की कड़ियाँ?"

(ख)

"नभ के नन्हें तारों में ये
कौन दमकते हैं यों दमदम?"

उत्तर 6:

(क)

"ये उज्ज्वल हीरों की कड़ियाँ कौन रात में गूँथ गया है?"

(ख)

"यों दमदम कौन दमकते हैं? नभ के नन्हें तारों में ये"

प्रश्न 7:

शब्दों की पहेली

"ये उज्ज्वल हीरों की कड़ियाँ"

ऊपर की पंक्ति में उज्ज्वल शब्द में 'ज' वर्ण दो बार आया है परंतु यह आधा (ज्) है। तुम भी इसी तरह के कुछ और शब्द खोजो। ध्यान रहे, उस शब्द में कोई एक वर्ण (अक्षर) दो बार आया हो, मगर आधा-आधा। इस काम में तुम शब्दकोश की सहायता ले सकते हो। देखें, कौन सबसे अधिक शब्द खोज पाता है।

उत्तर 7:

उदाहरण के लिए शब्द 'प्रज्ज्वल' है अन्य शब्द छात्र अपनी योग्यता के अनुसार बनाएं।

प्रश्न 8:

कौन ऐसा

नीचे लिखी चीजों जैसी कुछ और चीजों के नाम सोचकर लिखो-

(क) जुगनू जैसे चमकीले ----------

(ख) तारों जैसे झिलमिल ----------

(ग) हीरों जैसे दमकते ----------

(घ) फूलों जैसे सुंदर ----------

उत्तर 8:

(क) जुगनू जैसे चमकीले- तारें

(ख) तारों जैसे झिलमिल- रोशनी की लड़ियाँ

(ग) हीरों जैसे दमकते- ओंस की बूँदें

(घ) फूलों जैसे सुंदर- चेहरा

प्रश्न 9:

बूझो मतलब

"जी होता, इन ओस कणों को
अंजलि में भर घर ले आऊँ"

'घर' शब्द का प्रयोग हम कई तरह से कर सकते हैं। जैसे-

(क) वह घर गया। ----------

(ख) यह बात मेरे मन में घर कर गई। ----------

(ग) यह तो घर-घर की बात है। ----------

(घ) आओ, घर-घर खेलें। ----------

'बस' शब्द का प्रयोग कई तरह से किया जा सकता है। तुम 'बस' शब्द का प्रयोग करते हुए अपने मन से कुछ वाक्य बनाओ। (संकेत-बस, बस-बस, बस इतना सा)

उत्तर 9:

(क) वह बस से घर गया।

(ख) बस-बस इतना बहुत है।

(ग) बस इतना सा पानी थोड़ा और दो।

प्रश्न 10:

रूप बदलकर

चमक - चमकना - चमकाना - चमकवाना

'चमक' शब्द के कुछ रूप ऊपर लिखे हैं। इसी प्रकार नीचे लिखे शब्दों का रूप बदलकर सही जगह पर भरो-

दमक, सरक, बिखर, बन

(क)

जरा सा रगड़ते ही हीरे ने ..... शुरू कर दिया।

(क)

दमकना

(ख)

तुम यह कमीज किस दर्जी से ..... चाहते हो?

(ख)

बनवाना

(ग)

साँप ने धीरे-धीरे ..... शुरू कर दिया।

(ग)

सरकना

(घ)

लकी को मूर्ख ..... तो बहुत आसान है।

(घ)

बनाना

(ङ)

तुमने अब खिलौने ..... बंद कर दिए?

(ङ)

बनाने